Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Need to give subsidies to farmers for purchase of Harvester machines.

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): सभापति महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जैसा कि आपको ज्ञात है कि इस समय पूरे देश में धान की फसल के बाद धान की कटाई में मजदूरों की बहुत दिक्कत आ रही है। मजदूर नहीं मिलने से किसानों को हार्वेस्टिंग कराना पड़ता है। हार्वेस्टर की कटाई होने से हमारा बहुत सारा धान का मैटेरियल रह जाता है, जिसको हम पराली कहते हैं। इसके कारण किसान को उसकी फसल की अगली तैयारी करने के लिए उसे जलाना बड़ा सरल साधन लगता है। इस कारण से वह पूरी पराली को जलाता है। इससे हमारी मृदा खराब होती है और पर्यावरण भी खराब होता है। आप देख भी रहे हैं कि दिल्ली के आसपास घना कोहरा जैसा वातावरण बनता है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि जो हमारे हार्वेस्टिंग करने वाले किसान हैं और जो हार्वेस्टर मशीन के ऑनर हैं, वे हार्वेस्टिंग के समय पर बंडलिंग और भूसा बनाने का काम करें, चाहे गेहूं का हो या धान का हो। इससे जो अवशेष जलाने का काम होता है, वह बंद हो जाएगा। हमें इससे जैविक खाद बनाने के लिए भूसा मिलेगा, पशुओं के लिए भूसे की उपलब्धता होगी। इसका तीसरा लाभ यह होगा कि यदि किसान या हार्वेस्टर करने वाले हार्वेस्टिंग मशीन के मालिक को उसका विक्रय करना होगा तो वह उसे इथेनॉल वगैरह बनाकर, बेचकर राशि अर्जित कर सकता है।

महोदय, हार्वेस्टर की मात्रा इस समय बहुत बढ़ रही है। किसान बहुत ज्यादा हार्वेस्टर लेना चाहते हैं, पर उनको उतनी संख्या में सब्सिडी नहीं मिल रही है या सरकार उनको उतने प्रकरण बनाकर नहीं दे रही है। हर एक राज्यों में ज्यादा से ज्यादा हार्वेस्टर खरीदे जाने के लिए सब्सिडी मिले और ज्यादा से ज्यादा लोगों के प्रकरण बनें, ताकि भूसा जलाने और पराली जलाने का काम बंद हो सके, पर्यावरण की सुरक्षा हो सके और मृदा भी जैविक बन सके। इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए मैंने इस विषय को रखा है।